# दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बेकाबू ट्रेलर ने पैदल जा रहे वृद्ध को कुचला, मौत

## नीलका पुलिया के निर्माण कार्य के चलते बनाए गए डायवर्जन के दौरान ट्रेलर बेकाबू हो गया

**पावटा,** (निसं)। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आंतेला क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल जा रहे 75 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। नीलका पुलिया के निर्माण कार्य के चलते बनाए गए डायवर्जन के दौरान एक ट्रेलर अचानक बेकाबू हो गया और एक होटल के बाहर बनी पार्किंग में घुस गया। इस दौरान वहां पैदल जा रहे वृद्ध को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। वृद्ध की गंभीर स्थिति को देखते हुए एम्बुलेंस की मदद से उसे पावटा उपजिला अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान आंतेला निवासी सुरजाराम पुत्र चुन्नीलाल यादव के रूप में हुई है, जो नारनौलिया की ढाणी का रहने वाला था। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि तेज रफ्तार ट्रेलर डायवर्जन क्षेत्र में नियंत्रण खो बैठा और सर्विस रोड छोड़कर सीधे होटल परिसर की पार्किंग में जा घुसा।

- **घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि तेज रफ्तार ट्रेलर डायवर्जन क्षेत्र में नियंत्रण खो बैठा**
- **नियंत्रण खोने के बाद तेज रफ्तार ट्रेलर सर्विस रोड छोड़कर सीधे होटल परिसर की पार्किंग में जा घुसा**

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुरजाराम ने ट्रेलर को अपनी ओर आते देख बचने का प्रयास किया, लेकिन वह उसकी चपेट में आ गया। बेकाबू ट्रेलर उसे कुछ दूरी तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नीलका पुलिया के निर्माण कार्य के चलते लंबे समय से यातायात डायवर्ट किया गया है, लेकिन सुरक्षा इंतजामों और ट्रैफिक प्रबंधन में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। लोगों ने निर्माण कंपनी और एनएचएआई की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर भाबरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रेलर को जब्त कर लिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है। हादसे का वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने निर्माण स्थल पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के प्रभावी इंतजाम किए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

# जोधपुर के मोकलावास में महिला और युवक ने फांसी लगाई

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के निकटवर्ती मोकलावास गांव स्थित धांधलों की ढाणी में रहने वाली एक महिला ने अपने घर में और एक युवक ने खेत में पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। महिला ने सुबह सात बजे के आस पास फंदा लगाया तो युवक ने सुबह 11 बजे से पहले फंदे पर लटककर अपनी जान दी। दोनों मामले सामने आने पर राजीव गांधी नगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौका मुआयना किया। दोनों ने आत्महत्या किस कारण से की गई, इसक आरंभिक तौर पर खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस दोनों को अलग अलग मामले बता रही है।

- **दोनों ने आत्महत्या किस कारण से की, इसका आरंभिक तौर पर खुलासा नहीं हुआ है**

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि मोकलावास गांव के धांधलों की ढाणी में रहने वाली 36 साल की सेनाकंवर उर्फ चेनकंवर पत्नी खिंवसिंह ने सुबह सात बजे घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। उसकी शादी को 15 साल हो रखे थे। वह मूल रूप से पिचोलिया की रहने वाली है। इस घटना के कुछ देर बाद पुलिस को सूचना मिली कि गांव में एक खेत में 21 साल के युवक लक्ष्मण सिंह ने पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस सूचना मिलने पर वहां पहुंची। बताया गया कि वह युवक सुबह घर से पेट्रोल पंप पर जाने का कहकर निकला था। मगर वह पेट्रोल पंप नहीं पहुंचा। तब तलाश किए जाने पर खेत में पेड़ पर फंदा लटकाए मिला। बाद में पुलिस को सूचना मिलने पर मौका मुआयना किया गया। उसके भाई श्रवणसिंह ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। पुलिस फिलहाल आत्महत्याओं का कारण स्पष्ट नहीं कर पाई है।

# लाखों की नकबजनी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

## गहनों को पिघलाकर खरीदने वाले दुकानदार से सोना-चांदी व 12 लाख की नगदी जब्त

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में गत 19 मई को उचियारड़ा के रहने वाले श्रवणराम प्रजापत के मकान में 15 तोला सोना और डेढ़ किलो चांदी के आभूषण चोरी के प्रकरण का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन शातिरों को पकड़ा है। संदिग्ध कार की जब्ती के बाद घटना का खुलासा हो पाया। पुलिस ने 12 लाख नगद, चांदी की दो सिल्ली और 89 ग्राम सोने की एक बट्टी खरीददार से जब्त की है। आरोपियों ने गहनों को पिघलाकर बेच दिया था।

एयरपोर्ट थानाधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि मामला दर्ज होने पर पुलिस की टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सौ से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखे और एक संदिग्ध ग्रे रंग की कार का पता लगाया। कार बाद में नाथों का बास, सिवांची गेट तक एक कमरे पर आकर रूकी। तब एएसआई गणेशीलाल वहां पहुंचे। तब घर के अंदर डेडीसरा फलोदी निवासी दुर्गेश उर्फ दुर्गाराम पुत्र गोरधनराम मेघवाल, सिवांचीगेट सिंधियों का बास निवासी नवीन उर्फ रॉकी पुत्र राजू भाटी एवं पांचवीं रोड ईदगाह बादमा अस्पताल के पास रहने वाले सोनू उर्फ फतेहराज पुत्र जगदीश सुनार मिले। गहन पूछताछ में इन्होंने चोरी करना स्वीकार किया। थानाधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि सोने-चांदी को आरोपियों ने पिघलाकर दुकानदार को बेच दिया। जिस पर 12 लाख रूपए नगद, दुकान की तस्दीक कर दुकानदार से चांदी की दो सिल्ली दो किलोग्राम एवं सोने की एक बट्टी 89 ग्राम की जब्त की गई। आरोपियों को पांच दिन की पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

# जोधपुर शहर में क्रिप्टो में निवेश के नाम पर ठगी

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के नागौरी गेट क्षेत्र में चिट फंड कंपनी चलाने वाले लोगों के खिलाफ लगातार ठगी के प्रकरण दर्ज हो रहे हैं। अब तक आधा दर्जन केस दर्ज हो चुके हैं और दो करोड़ की ठगी का पता लगा है। यह बढ़ भी सकती है। नागौरी गेट, माता का थान, महामंदिर के बाद सरदारपुरा थाने में एक्सपो प्लेटफार्म पर इंवेस्टमेंट के नाम पर लाखों की ठगी का प्रकरण दर्ज हुआ है। शातिरों ने स्थानीय लोगों को यूएसडीटी और क्रिप्टो में निवेश के नाम पर अपनी ठगी का शिकार बनाया। सबसे बड़ी बात है कि इंवेस्टमेंटकर्ताओं ने ना तो पर्ची ली और ना ही किसी प्रकार की लिखा पढ़ी शातिरों से की। सब लेन देन केश में किया गया। पुलिस खुद अब पशोपेश की स्थिति में है। जांच किस प्रकार की जाए।

- **एक्सपो प्लेटफार्म पर इंवेस्टमेंट के नाम पर लाखों की ठगी का प्रकरण दर्ज**

झंवर रोड स्थित वैशाली टाउनशिप बोरानाडा निवासी शाहरूख खां पुत्र मो. शफीक ने सरदारपुरा थाने में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 19 जनवरी 25 से 28 मार्च 26 के बीच में उसने एक्सपो प्लेटफार्म पर लाखों रूपए इंवेस्ट किए थे। इसमें जितेंद्र जांगिड़, रजत शर्मा, पूजा, विजय मोर्य आदि ने मिलकर यूएसटीडी और क्रिप्टो में निवेश के नाम पर बड़े लाभांश की बात की थी। शाहरूख ने अपने कुछ परिचितों को भी इसमें शामिल कर लिया था। शातिरों को चिल्ड्रन पार्क के पास एक चाय की थड़ी पर रूपयों का लेन देन दिया गया। मगर उसके पास में लेन देन की पर्ची या कोई लिखापढ़ी नहीं है। थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि लेन देन के संबंध में इनके पास कोई कागज इत्यादि नहीं है। फिलहाल मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार उक्त लोगों द्वारा शहर के कई लोगों का ठगी का शिकार बनाते हुए दो करोड़ से ज्यादा की अब तक रकम खुर्दबुर्द किए जाने का पता लगा है। जिला पूर्व नागौरी गेट में शातिरों ने कार्यालय खोल रखा था। बाद में रकम ऐंठ कर फरार हो गए। पुलिस का मानना है कि चिटिंग के शिकार लोगों की संख्या बढ़ सकती है।

# बोलेरो पलटने से चार जने घायल

**सरमथुरा,** (निसं)। उपखंड क्षेत्र के छिंगापुरा गांव के पास सोमवार को एनएच 11वी पर बोलेरो गाड़ी पलट गई। इस हादसे में एक बच्ची समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस का कहना है कि बोलेरो गाड़ी सरमथुरा की ओर से आ रही थी। अचानक सामने आई छोटी बच्ची को बचाने के प्रयास में गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

थानाधिकारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही एएसआई हरी सिंह मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को तुरंत सरमथुरा अस्पताल पहुंचाया गया। सरमथुरा अस्पताल में डॉ. देवेंद्र गर्ग और उनकी टीम ने घायलों का उपचार किया। चार घायलों में से तीन को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

रेफर किए गए घायलों में 6 वर्षीय राजकुमारी पुत्री शिवदयाल, निवासी छिंगापुरा, 55 वर्षीय सोमवती पत्नी कल्ला, निवासी रीछरी और 22 वर्षीय तरुण पुत्र कल्लाराम शामिल हैं। 27 वर्षीय शेर सिंह पुत्र विश्राम का इलाज सरमथुरा अस्पताल में जारी है।

# अवैध हुक्का बार पर छापा मारा

**जोधपुर,** (कासं)। माता का थान पुलिस ने जगदंबा कॉलोनी क्षेत्र में चल रहे एक कैफे की आड़ में हुक्काबार का पता लगाया। पुलिस ने हुक्का सामग्री जब्त किए जाने के साथ संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया। माता का थान पुलिस थाने के एसआई भागूराम को सूचना मिली कि जगदंबा कॉलोनी क्षेत्र में सिसोदिया कैफे में अवैध रूप से हुक्का पिलाया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम के साथ वहां रेड दी गई। पुलिस ने संचालक अशोक बहादूर के खिलाफ अवैध हुक्का बार संचालन का केस बनाया। मौके से हुक्का सामग्री को जब्त किया गया।

# नवजात का शव मिला

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर में सोमवार सुबह डस्टबिन (कूड़ेदान) में नवजात का शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। मामला शहर के प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र के गीता भवन के सामने का है। सुबह करीब 7 बजे पुलिस को नवजात मिलने की सूचना मिली थी।

पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह लोगों ने सूचना दी थी कि कोई नवजात बच्ची को डस्टबिन में डालकर चला गया। इस पर एएसआई सूरता राम मौके पर पहुंचे। एएसआई सूरताराम ने बताया कि कोई बच्ची को कचरे के ढेर में फेंक कर चला गया था। इसके बाद पुलिस अधिकारियों और कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी। कुछ देर में एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। इसके बाद बच्ची को मथुरादास माथुर हॉस्पिटल लाया गया।

# कोटा के थेकड़ा में नाला निर्माण के दौरान 11 केवी के छह पोल गिरे

**कोटा,** (निसं)। शहर के थेकड़ा इलाके में नाला निर्माण के दौरान की गई खुदाई के चलते 11 केवी की विद्युत लाइन गिरने का मामला सामने आया है। इस विद्युत लाइन के 6 पोल गिर गए हैं, जिनमें एक मकान पर गिरा है। चालू लाइन में पोल गिरने से करंट भी कुछ देर फैल गया था और मकान भी करंट की चपेट में आ गया। हालांकि घर में कोई भी मौजूद नहीं था, इसके चलते जनहानि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र की बिजली सप्लाई करीब छह घंटे तक बाधित रही। इस दौरान साकेत आवास व अन्य कॉलोनी के 500 से ज्यादा घरों के लोग प्रभावित हुए। मामले में कोटा विकास प्राधिकरण के तहत चल रहे नाला निर्माण में संवेदक की बड़ी लापरवाही सामने आई हैं। यह निर्माण साकेत आवास कॉलोनी के नजदीक हो रहा था। लोगों ने केडीए से संवेदक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

- **चालू लाइन में पोल गिरने से करंट फैल गया और मकान भी करंट की चपेट में आ गया**

कोटा के थेकड़ा इलाके में नाला निर्माण के दौरान की गई खुदाई के चलते विद्युत पोल गिर गए।

स्थानीय निवासी विनोद जैन का कहना है कि नाला खुदाई के बाद पोल को सुरक्षित किए बिना ही छोड़ दिया गया जिससे 11 केवी लाइन के करीब 6 बिजली के पोल रविवार रात को बारिश के बाद गिर गए या झुक गये। यहां से गुजर रही छोटी सप्लाई लाइनें भी इसकी चपेट में आ गई थी जिसके चलते रोड लाईट भी जल गई हैं। कोटा इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के सहायक अभियंता सुरजीत ठाकुर का कहना है कि समय रहते विद्युत लाइन कट गई थी। विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पोल को हटाने और लाइन दुरुस्त करने में जुटी। इस मामले में निर्माण कर रहे ठेकेदार की गलती हैं। उसने बिना अनुमति के ही विद्युत पोल के आसपास की जमीन को खोद दिया जिसके चलते हादसा होने से बचा है। इस मामले में हादसा होता तो बिजली कंपनी को लोग जिम्मेदार बता देते। जबकि पूरा घटनाक्रम ठेकेदार की गलती के चलते हुआ है। हादसे के बाद एहतियातन रात 3 बजे से ही पूरे इलाके की विद्युत सप्लाई बंद कर दी गई जिसे दूसरे फीडर से जोड़कर सुबह 8.30 बजे चालू किया गया है।

निर्माण ठेकेदार पुनीत सभरवाल का कहना है कि उन्होंने काफी दूर खुदाई की थी। बारिश के चलते मिट्टी हट गई। उल्लेखनीय है कि कोटा में कुछ दिन पहले इसी तरह से बोरखेड़ा में नाला निर्माण के तहत बिना बैरिकेडिंग का निर्माण हो रहा था। यहां नाले को भी छोड़ देने के चलते रिटायर प्रिंसिपल बाइक समेत नीचे गिर गए थे। उनके गिरने के 10 घंटे बाद लोगों को पता चला, तब तक उनकी मौत हो गई। इस मामले में केडीए ने तीन अभियंताओं को निलंबित किया था और ठेकेदार को भी ब्लैकलिस्ट कर दिया था। ठीक उसी तरह का यह हादसा हुआ है। गनीमत रही कि जनहानि नहीं हुई हैं।

इस पर कोटा विकास प्राधिकरण के डायरेक्टर इंजीनियरिंग रविंद्र प्रकाश माथुर का कहना है कि उन्होंने सूचना मिलने के बाद तत्काल सिविल और इलेक्ट्रिक विंग की टीम को भेज दिया है। ताकि घटना के कारण को समझा जा सके व तत्काल राहत प्रदान की जाए।

# कीटनाशक पीने से एक जने की मौत

**जोधपुर,** (कासं)। झंवर स्थित चिंचड़ली गांव में एक व्यक्ति ने भूल से घर में रखे कीटनाशक का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया, मगर उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। इस बारे में उसके पिता की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। झंवर पुलिस ने बताया कि गवारियों की बस्ती तिंवरी मथानिया निवासी गिरधारीराम पुत्र नवलाराम गवारिया की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका पुत्र 42 वर्षीय रामनिवास यहां चिंचड़ली झंवर में रहता था और खेतीबाड़ी करता था। उसने घर पर भूल से कीटनाशक का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। झंवर पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

# युवक के नहर में कूदने के तीन घंटे बाद पहुंचे गोताखोर, लापरवाही का आरोप

**कोटा,** (निसं)। गुमानपुरा नहर में युवक के कूदने की घटना को लेकर भाजपा नेता संदीप भाटिया ने नगर निगम की गोताखोर टीम पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोमवार को नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने तथा दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भाटिया ने आरोप लगाया कि रविवार शाम करीब 5.30 बजे गुमानपुरा नहर में एक युवक ने छलांग लगा दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस कुछ ही समय में मौके पर पहुंच गई, लेकिन नगर निगम की गोताखोर टीम लगभग तीन घंटे बाद रात साढ़े आठ बजे घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात यह है कि घटनास्थल से नगर निगम का अग्निशमन एवं बचाव केन्द्र मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौके पर पहुंचने के बाद भी कोई गोताखोर नहर में उतरकर तत्काल खोज एवं बचाव कार्य में नहीं जुटा। घटना के समय नहर में पानी का बहाव भी नहीं था और पर्याप्त उजाला मौजूद था, इसके बावजूद बचाव अभियान शुरू नहीं किया गया। इससे प्रतीत होता है कि टीम में मौजूद गोताखोरों के पास पर्याप्त अनुभव नहीं था। भाटिया ने कहा कि यदि सूचना मिलते ही गोताखोर टीम मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू करती तो युवक की जान बचने की संभावना बन सकती थी। अगले दिन सुबह युवक का शव नहर से बाहर निकाला गया। भाटिया ने आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि उन्हें 7 बजे इसकी फोन पर सूचना मिली थी। सूचना के बाद तुरंत गोताखोरों को घरों से बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ कर दिया गया। स्टील ब्रिज के पास से नव को नहर में उतरने में थोड़ी कठिनाई हुई, इस कारण समय भी लगा। 9.15 बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। सोमवार सुबह ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शव को रिकवर कर लिया गया है।

# हिडन कैमरा मामले पर आज चिड़ावा बंद का आव्हान

**चिड़ावा,** (निसं)। कस्बे में हिडन कैमरा प्रकरण को लेकर सोमवार को कबीर टीला में एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इसमें सर्व समाज, व्यापार मंडल और विभिन्न सामाजिक व हिंदूवादी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और निजता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मंगलवार को पूरा चिड़ावा बाजार पूर्णत बंद रहेगा।

- **व्यापारियों, संगठनों ने बैठक आयोजित कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की**

प्रतिनिधियों ने पुलिस को चिड़ावा बंद की सूचना का एक पत्र सौंपा।

वस्त्र व्यापार संघ, हार्डवेयर और इलेक्ट्रिक व्यापार संघ तथा व्यापार मंडल ने इस बंद को अपना समर्थन दिया है। सभी व्यापारी और कार्मिक मंगलवार सुबह 10.30 बजे विवेकानंद चौक में एकत्रित होंगे। यहां एक बैठक कर भविष्य की ठोस रणनीति बनाई जाएगी। ताकि भविष्य में कोई ऐसा कृत्य करने का साहस न कर सके। इसके साथ ही, मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए एक स्थायी समिति के गठन पर भी सहमति बनी। इस बैठक में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों के अलावा आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। भाजपा नेता राजेश दहिया, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, नीतिका थालोर, व्यापार मंडल सचिव राजेश मोदी, मुकेश खंडेलवाल, सुनील सिद्धड, पवन शर्मा नवहाल, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, अमित सैनी गोलू, अमित खंडेलवाल, पूर्व पार्षद सुरेन्द्र सैनी, अजय चौमाल, राजेंद्र शर्मा, आलोक मित्तल, विशाल सुलतानिया, महेंद्र मोदी, मनीष धाबाई, सुनील टेलर, पूर्व पार्षद महेश शर्मा धन्ना, राकेश बाछुका, विकास खंडेलवाल, नितेश जांगिड़, महेंद्र चौधरी, मुकेश खंडेलवाल, किशोरीलाल, बाबू सिंह राजपुरोहित और अभिषेक पारीक सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। मौके पर पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा और पुलिस को बंद की सूचना का एक पत्र भी सौंपा गया।

कस्बे में ट्रायल रूम में मोबाइल से रिकॉर्डिंग के मामले को लेकर पिछले दो दिनों से लगातार विरोध-प्रदर्शन, धरने और रैलियों का दौर जारी है। विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों की ओर से कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बीच स्थानीय कांग्रेस नेताओं की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे पर कांग्रेस विधायक पितराम सिंह काला और कांग्रेस की निवर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष सुमित्रा सैनी की ओर से अब तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने क्यों नहीं आई है। आंदोलन से जुड़े कई लोगों का कहना है कि जब पूरा शहर इस मामले को लेकर आंदोलित है। तब जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक नेताओं को भी अपनी स्पष्ट राय रखनी चाहिए।

# अजमेर के जेएलएन अस्पताल में 227 नर्सिंग ऑफिसरों की हड़ताल जारी

**अजमेर,** (निसं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) अस्पताल में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत 227 नर्सिंग ऑफिसरों को राज्य सरकार द्वारा हटाए जाने के विरोध में चल रहा आंदोलन सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। अपनी मांगों को लेकर नर्सिंग कर्मचारियों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जिला कलैक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन कर नर्सेज कर्मचारियों में शामिल दो महिला नर्सेज कर्मचारी अचानक तबीयत खराब हो गई, जिन्हें विरोध प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने तुरंत जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया।

- **जेएलएन अस्पताल में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत 227 नर्सिंग ऑफिसरों को राज्य सरकार द्वारा हटाए जाने का विरोध**

जानकारी के अनुसार सोमवार को संविदा नर्सेज कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मचारी धरना स्थल से जुलूस के रूप में रवाना हुए। कर्मचारी विभिन्न मार्गों से होते हुए अजमेर जिला कलैक्ट्रेट पहुंचे, जहां कलैक्ट्रेट परिसर के बाहर सड़क पर एकत्र होकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं जारी रखने तथा हटाने के निर्णय को वापस लेने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान संविदा नर्सेज कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष विशाल पाराशर और प्रदेश संयोजक कशिश कच्छावा ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं और मांगों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अस्पताल में सेवाएं दे रहे नर्सिंग ऑफिसरों को अचानक हटाया जाना न केवल कर्मचारियों के भविष्य के साथ अन्याय है, बल्कि इससे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसरों का आंदोलन पांचवें दिन भी जारी रहा।

संघ पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि उनकी मांगों को प्रदेश के चिकित्सा मंत्री तथा राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष एवं अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी तक पहुंचाया जाए, ताकि इस मुद्दे का शीघ्र समाधान निकल सके। नर्सिंग कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन और धरना जारी रहेगा। वहीं अस्पताल में कार्यरत संविदा नर्सिंग कर्मचारियों के आंदोलन को लेकर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही उनकी मांगों पर विचार नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कर्मचारियों ने राज्य सरकार से संवेदनशीलता दिखाते हुए रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा हटाने के आदेश वापस लेने की मांग की है।